12.10.2012

प्रभात खबर

बिहार जागे ... देश आगे

रम्बुटान से सालों भर मिलेगा लीची का स्वाद

- लीची अनुसंधान केंद्र में प्रयोग शुरू
- कर्नाटक से मंगवाये गये पौधे
- लीची से अधिक रसीला है रम्बुटान
- 400 से 450 किलो बिकता है
- एक एकड़ में सात टन तक पैदावार

प्रेमांशु शेखर ■ मुजफ्फरपुर

लीची के शौकीन लोगों के लिए खुशखबरी है. उत्तर बिहार के किसानों के लिए नगदी फसल के तौर एक और विकल्प सामने आया है. लीची कुल के ही रम्बुटान नामक फल की खेती उत्तर बिहार में शुरू करने के लिए राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र ने प्रयोग शुरु कर दिया है. केंद्र के वैज्ञानिकों ने कर्नाटक से रम्बुटान के पौधे मंगाया है, जिसे यहां की जलवायु लगाया जा रहा है. यदि वैज्ञानिकों का प्रयोग सफल रहा तो लीची किसानों को नगदी फसल के रूप में एक और बेहतर विकल्प मिलेगा.

वहीं शहद के उत्पादन में भी बढ़ोत्तरी होगी. आमतौर पर अधिक आद्रता में फलने वाले रम्बुटान को ठंड के मौसम में उगाने का प्रयोग हो रहा है. यदि यह सफल रहा तो दो सालों में रम्बुटान के पौधे में फल आ

लीची अनुसंधान केंद्र में कर्नाटक से मंगाये गये रम्बुटान के पौधे. फोटो । प्रभात खबर

जायेंगे. तने के ब्रीडिंग से तैयार रम्बुटान का पौधा दो साल में ही फल देने लगता है. लीची की तुलना में रम्बुटान की सेल्फ लाइफ काफी अधिक होती है. इसके कठोर बाहरी आवरण के कारण रम्बुटान फल को आसानी से आठ से 10 दिनों तक रखा जा सकता है. पल्प की अधिक मात्रा होने के कारण यह काफी रसीला होता है. लीची की तरह विटामीन बी, सी व ऑरगेनिक एसिड की प्रचुरता की वजह से शरीर के लिए काफी पोषणयुक्त भी है.

प्रति एकड़ सात टन उत्पादन

महानगरों में स्थित मल्टी रिटेलर आउटलेट में सालों भर रम्बुटान मिलता है. 400 से 450 रुपये प्रति किलो की दर से बिकने वाली रम्बुटान का प्रति एकड़ औसतन 6 से 7 टन उत्पादन होता है. सात से आठ मीटर की दूरी पर लगने वाला रम्बुटान तकरीबन 150 पौधे प्रति एकड़ लगता है. इसकी खेती से आय भी अधिक होगी.

जामुन की तरह रम्बुटान भी उष्ण कटबंधीय जलवायु में फलने वाला फल है. जामुन यहां की जलवायु में फलता है. हाल में ही लीची कुल के रम्बुटान के पौधे मंगवाये गये है. इस पर शोध किया जा रहा है. अगर प्रयोग सफल रहा तो किसानों को नगदी फसल के तौर पर बेहतर विकल्प मिलेगा.

विशालनाथ, निदेशक, राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुशहरी.

थाइलैंड में फलता है रम्बुटान

थाइलैंड व मलेशिया जैसे देशों में उगने वाला रम्बुटान लीची कुल का ही फल है. लीची की तरह ही आकर्षक चटक रंग का रम्बुटान स्वाद में लीची की तरह ही है. लाल रंग के अलावे यह ब्राउन कलर का भी होता है. छह साल से कर्नाटक के किसान रम्बुटान का उत्पादन कर रहे है. एक सप्ताह पूर्व ही केंद्र के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक को भेज कर कर्नाटक से पांच पौधे मंगवाये गये है.